मेरा फरीदाबाद

फरीदाबाद,मंगलवार, 11 मार्च 2025
www.nationalpraharinews.com

नेशनल प्रहरी दैनिक

औद्योगिक बारीकियों को जानने के लिए अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के छात्रों ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का किया दौरा

नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह

फरीदाबाद। 10 मार्च को, प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी, फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कंप्यूटर साइंस), ईशा, प्रीति दीक्षित और शिल्पा जुनेजा इन विद्यार्थियों के साथ औद्योगिक दौरे पर गए।

कॉलेज चेयरमैन देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियां आयोजित करता रहता है।

यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (निक 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया। डॉ. शिल्पा गोयल, विभागाध्यक्ष प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की। छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए और टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के

समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विपणन विभाग) विपिन वत्सल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया।

विशेषज्ञों ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाश्चराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था।

अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि से औद्योगिक प्रक्रियाओं और भारत के आर्थिक विकास में डेयरी उद्योग के महत्व के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। यात्रा के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों को जलपान दिया गया।

बनास डेयरी की औद्योगिक यात्रा एक ज्ञानवर्धक अनुभव थी, जो छात्रों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करती है। इस तरह की यात्राएं छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उद्योग में भविष्य के कैरियर के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्र और कर्मचारी 01:00 बजे कॉलेज में वापस पहुंचे।

GOVT OF INDIA RNI NO. 6859/61

Contact E-

साहस सच दिखाने का
भारत दर्शन
सबसे तेज-सबसे अलग खबरें, अब एक क्लिक पर
www.bharatdarshannews.com

ESTD : Since 1961
पढ़ेगा भारत, बढ़ेगा भारत!
साहस सच दिखाने का
भारत
www.bharat
News Paper • Mag
खबरों एवं विज्ञाप

FARIDABAD

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिक दौरा आयोजित किया : एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव

(Mukhi Deepak Kathuria) www.bharatdarshannews.com

Bharat Darshan Ballabgarh News, 10 March 2025 : 10 मार्च 2025 को, प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी, फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से सुश्री मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कॉम्पुटर साइंस), सुश्री ईशा, सुश्री प्रीति दीक्षित और सुश्री शिल्पा जुनेजा इन विद्यार्थिओं के साथ औद्योगिक दौरे पर गए। कॉलेज चेयरमैन श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट श्री दिनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियां आयोजित करता रहता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया। डॉ. शिल्पा गोयल, विभागाध्यक्ष प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थिओं के समक्ष प्रस्तुत की। छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए। टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विपणन विभाग) श्री विपिन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बानसकांथा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया। विशेषज्ञों ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाश्चराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि से औद्योगिक प्रक्रियाओं और भारत के आर्थिक विकास में डेयरी उद्योग के महत्व के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। यात्रा के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों को जलपान दिया गया।

बनास डेयरी की औद्योगिक यात्रा एक ज्ञानवर्धक अनुभव थी, जो छात्रों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करती है। इस तरह की यात्राएं छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उद्योग में भविष्य के कैरियर के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छात्र और कर्मचारी 01:00 बजे कॉलेज में वापस पहुंचे।

News21TV.COM/POSITIVE NEWS
9811721521

दिल्ली एनसीआर

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिक दौरा आयोजित किया : एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव

बल्लभगढ़ (विनोद वैष्णव) : प्रबंधन और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, **अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़** द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी, फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कॉम्पुटर साइंस), ईशा, प्रीति दीक्षित और शिल्पा जुनेजा इन विद्यार्थिओं के साथ औद्योगिक दौरे पर गए। कॉलेज चेयरमैन देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियां आयोजित करता रहता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया।

डॉ. शिल्पा गोयल, विभागाध्यक्षा प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थिओं के समक्ष प्रस्तुत की। छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए । टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विपणन विभाग) विपिन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बानस्कांथा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया ।

विशेषज्ञों ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाश्चराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

Uncategorized

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने बनास डेयरी, आईएमटी फरीदाबाद का औद्योगिकदौरा किया

Jantantratoday · March 10, 2025

module:1facing:0; ?hw-remosaic: 0; ?touch: (-1.0, -1.0); ?modelInfo: ; ?sceneMode: Night; ?cct_value: 0; ?AI_Scene: (200, -1); ?aec_lux: 0.0; ?hist255: 0.0; ?hist252~255: 0.0; ?hist0~15: 0.0; ?module:1facing:0; hw-remosaic: 0; touch: (-1.0, -1.0); modelInfo: ; sceneMode: Night; cct_value: 0; AI_Scene: (200, -1); aec_lux: 0.0; hist255: 0.0; hist252~255: 0.0; hist0~15: 0.0;

फरीदाबाद , जन्त्रतंत्र टुडे / अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ द्वारा बनास डेयरी, आईएमटी,
फरीदाबाद के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया जिसमें एमबीए और एमसीए प्रथम और अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने भाग लिया। दोनों विभागों से सुश्री मोहिनी वर्मा, (एचओडी, कॉम्पुटर साइंस), सुश्री ईशा, सुश्री प्रीति दीक्षित और सुश्री शिल्पा जुनेजा इन विद्यार्थिओं के साथ औद्योगिक दौरे पर गए।

कॉलेज चेयरमैन देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में कॉलेज ऐसी गतिविधियां आयोजित करता रहता है। यह कार्यक्रम डॉ. सचिन गर्ग, प्रभारी (विंग 1) के प्रभावी नेतृत्व में आयोजित किया गया । डॉ. शिल्पा गोयल, विभागाध्यक्षा प्रबंधन विभाग ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थिओं के
समक्ष प्रस्तुत की।

छात्र सुबह 10:00 बजे महाविद्यालय से कंपनी के लिए रवाना हुए । टीम सुबह 10:30 बजे कंपनी के परिसर में पहुंची जहाँ दौरे के समन्वयक और कंपनी के प्रबंधक (विपणन विभाग) श्री विपिन दलाल ने प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और कंपनी के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। बनास डेयरी, बानस्कांथा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड की सहायक कंपनी, डेयरी क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत भर में उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के दूध और दूध-आधारित उत्पादों को उपलब्ध कराती है। भ्रमण के दौरान छात्रों को, उन्होंने दूध प्रसंस्करण, पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न चरणों का अवलोकन करवाया ।

विशेषज्ञों
ने डेयरी उत्पादों की ताजगी और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पाश्चराइजेशन, होमोजेनाइजेशन और कोल्ड स्टोरेज में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीक को समझाया। एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था जिसमें छात्रों को डेयरी उत्पादन, स्वचालन और बाजार रणनीतियों के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला था। अधिकारियों ने डेयरी उद्योग में नवाचार और स्थिरता की भूमिका पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए बनास डेयरी की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस यात्रा से प्राप्त अंतर्दृष्टि से औद्योगिक प्रक्रियाओं और भारत के आर्थिक विकास में डेयरी उद्योग के महत्व के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई। यात्रा के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों को जलपान दिया गया।

बनास डेयरी की औद्योगिक यात्रा एक ज्ञानवर्धक अनुभव थी, जो छात्रों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को कम करती है। इस तरह की यात्राएं छात्रों के सीखने को बढ़ाने और उद्योग में भविष्य के कैरियर के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।